पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर

एवं

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली

के संयुक्त तत्वावधान में

"राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020: क्रियान्वयन और चुनौतियाँ"

दो दिवसीय कार्यशाला

मार्गशीर्ष, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी एवं चतुर्दशी, विक्रम संवत्-2081 तद्नुसार

शुक्रवार, 13 व शनिवार, 14 दिसम्बर, 2024

विश्वविद्यालय प्रांगण, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर

पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर

राजस्थान के प्रमुख सरकारी विश्वविद्यालयों में शामिल और शेखावाटी क्षेत्र की पहचान पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय सीकर, 2012 में स्थापित हुआ। राज्य सरकार द्वारा वित्त-पोषित यह विश्वविद्यालय वैश्विक प्रतिस्पर्धी वातावरण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। करीब 61.57 एकड़ के हरियाली युक्त परिसर में फैला यह विवि पारंपरिक शेखावाटी वास्तुकला और आधुनिक सुविधाओं का मिश्रण प्रस्तुत करता है। विश्वविद्यालय ने बहुत कम समय में शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है और आधुनिक तकनीक से क्वालिटी एज्युकेशन प्रदान करने में संलग्न है। वाई-फाई कैम्पस, ई-लाईबैरी, डिजीटल लैब्स व स्मार्ट क्लासरूम के माध्यम से देश-विदेश में बैठे विशेषज्ञों से स्टूडेंट्स को रूबरू कराया जाता है। कैम्पस में बना स्टेट ऑफ आर्ट मीडिया स्टूडियो पत्रकारिता के विद्यार्थियों को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रेक्टिकल और ऑनलाइन कार्यक्रमों के लिए देश-दुनिया से जोड़ता है। विश्वविद्यालय समय पर परीक्षाएं कराने व परिणाम घोषित करने में भी अग्रणी है। विश्वविद्यालय में परीक्षाओं की मूल्यांकन प्रक्रिया भी पूरी तरह डिजिटल कर दी गई है। विश्वविद्यालय ने एनईपी-2020 लागू कर कई नए स्किल बेस्ड कोर्स भी शुरू किए हैं। विश्वविद्यालय छात्रों के व्यक्तिगत व सर्वांगीण विकास, शैक्षणिक उत्कृष्टता पर जोर देता है। यही दृष्टिकोण छात्रों को वैश्विक चुनौतियों का सामना करने और तेजी से विकसित हो रहे विश्व में सफलता के लिए आधार तैयार करता है।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास की मूल भावना शिक्षा में सुधार हेतु सरकार के द्वारा शिक्षा की नीति, प्रशासन एवं पाठ्यक्रम में परिवर्तन की आवश्यकता स्थापित करना है। इसके साथ सरकार शिक्षा हेतु अधिक से अधिक संसाधन उपलब्ध कराएँ एवं सकारात्मक कार्यों का सहयोग, समर्थन करें, यह भी आवश्यक है, परन्तु शिक्षा में जमीनी बदलाव समाज का प्रमुख दायित्व है। इस हेतु समाज एवं सरकार इन दोनों के संयुक्त प्रयास आवश्यक हैं। इसमें प्रत्यक्षतः शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लागों की प्रमुख भूमिका है, तभी शिक्षा में आधारभूत परिवर्तन संभव होगा। इन प्रयासों को देशव्यापी अभियान एवं आन्दोलन बनाने हेतु यह कार्य किया जा रहा है। शिक्षा देश की प्राथमिकता का विषय बने यह भी आवश्यक है। इस हेतु सभी से प्रार्थना एवं आह्वान है कि शिक्षा परिवर्तन के इस महायज्ञ में हम भी अपनी आहुति प्रदान करके अपने कर्तव्य का निर्वहन करें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (National Education Policy-2020) को भारत में शिक्षा व्यवस्था में सुधार, समावेशिता और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए लागू किया गया है। यह नीति विभिन्न उद्देश्यों के तहत कार्य करती है,

1. **'समावेशिता'**: सभी छात्रों के लिए शिक्षा को सुलभ बनाना, खासकर उन समुदायों के लिए जो सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित हैं।
2. **'गुणवत्ता में सुधार'**: शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता को बढ़ाना ताकि सभी स्तरों पर छात्र उच्च स्तर की शिक्षा प्राप्त कर सकें।
3. **'आधुनिकीकरण'**: नई तकनीकी और नवाचारों को शिक्षा में शामिल करना, जिससे शिक्षा को अधिक प्रभावी और प्रासंगिक बनाया जा सके।
4. **'व्यावसायिक शिक्षा'**: व्यावसायिक और तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देना, जिससे छात्रों को बेहतर करियर अवसर मिल सकें।
5. **'बहु-आयामी शिक्षा'**: पाठ्यक्रम में विभिन्न विषयों को शामिल करना, जैसे कि खेल, कला, और सांस्कृतिक शिक्षा।
6. **'शिक्षक विकास'**: शिक्षकों के लिए निरंतर प्रशिक्षण और विकास के अवसर प्रदान करना, जिससे वे बेहतर तरीके से शिक्षण कार्य कर सकें।
7. **'शिक्षा में अनुसंधान'**: शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित करना।
8. **'राष्ट्रीय एकता'**: शिक्षा के माध्यम से राष्ट्रीय एकता और सामंजस्य को बढ़ावा देना।

इन उद्देश्यों के माध्यम से NEP-2020 का लक्ष्य एक समग्र और प्रभावी शिक्षा प्रणाली का निर्माण करना है, जो छात्रों को व्यक्तिगत, सामाजिक, और आर्थिक विकास में सहायता कर सके।

संयोजक

आचार्य (डॉ.) राजीव सक्सेना - अध्यक्ष, जयपुर प्रांत, शिक्षा–संस्कृति उत्थान न्यास, जयपुर

डॉ. श्याम सिंह राजपुरोहित - क्षेत्र संयोजक, राष्ट्रीय शिक्षा नीति क्रियान्वयन, जयपुर

डॉ. रवीन्द्र कुमार कटेवा - उपकुलसचिव (अकादमिक), पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर

आयोजन सचिव

डॉ. चेतन कुमार जोशी - सहआचार्य, प्राणीशास्त्र विभाग, राजकीय विज्ञान महाविद्यालय, सीकर

डॉ. राजेन्द्र सिंह चुंडावत - आचार्य, प्राणीशास्त्र विभाग, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर

डॉ. अशोक कुमार महला - सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग, राजकीय कला महाविद्यालय, सीकर

संयुक्त आयोजन सचिव

श्री नितिन कुमार जैन - संयोजक, जयपुर प्रांत, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, जयपुर

पंजीयन प्रक्रिया

उक्त दो दिवसीय कार्यशाल हेतु पंजीयन शुल्क निम्नानुसार निर्धारित किया गया है। कार्याशाला हेतु इच्छुक प्रतिभागी नीचे दिये गये विवरण के अनुसार गूगल फॉर्म की सहायता से अपना पंजीयन करना अनिवार्य है।

संस्थागत स्तर : 600 रूपये प्रति प्रतिभागी (प्रत्येक संस्था से केवल दो प्रतिभागी)

व्यक्तिगत स्तर : 700 रूपये प्रति प्रतिभागी

शोधार्थी : 400 रूपये प्रति शोधार्थी

https://forms.gle/4BUfkaSbN47RWved8

SCAN ME

पंजीयन शुल्क जमा करवाने हेतु विवरण निम्नानुसार हैः

Account Name	:	Registrar, Pandit Deendayal Upadhyaya Shekhawati Universtiy, Sikar
Bank Name	:	ICICI Bank
Account No.	:	065701004037
IFSC Code	:	ICIC0000657

टिप्पणीः प्रतिभागियों से आग्रह है कि वे अपना पंजीयन यथाशीघ्र पूर्ण कर लें। विशेष परिस्थिति में कार्यक्रम स्थल पर भी पंजीयन किया जा सकता है।

विनीत

श्रीमती श्वेता यादव

कुलसचिव, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर (राजस्थान)

''राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020: क्रियान्वयन और चुनौतियाँ''

उद्घाटन समारोह

मुख्य अतिथि

श्रीयुत् डॉ. अतुल कोठारी

राष्ट्रीय सचिव

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली

अध्यक्षता

प्रोफेसर (डॉ.) अनिल कुमार राय

माननीय कुलपति, पंडित दीनदयाल उपाध्याय

शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर (राजस्थान)

विशिष्ट अतिथि

प्रोफेसर (डॉ.) नरेश चन्द्र गौतम

माननीय पूर्व कुलपति, महात्मा गांधी चित्रकूट

ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट

विशिष्ट अतिथि

डॉ. ओम प्रकाश बैरवा (आई.ए.एस.)

आयुक्त

कॉलेज शिक्षा, राजस्थान सरकार, जयपुर

दिवसः मार्गशीर्ष, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी, विक्रम संवत्-2081 तद्नुसार शुक्रवार, 13 दिसम्बर, 2024 अपराह्न 12:15 बजे

स्थानः विश्वविद्यालय प्रांगण, पण्डित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर

अनुरोधः आमंत्रित अतिथियों से निवेदन है कि कार्यक्रम के निर्धारित समय से 30 मिनट पूर्व अपना स्थान ग्रहण कर लें।

‘‘राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020: क्रियान्वयन और चुनौतियाँ’’

समारोप समारोह

मुख्य अतिथि

श्रीयुत् डॉ. अतुल कोठारी

राष्ट्रीय सचिव

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली

मुख्य वक्ता

आचार्य (डॉ.) नारायण लाल गुप्ता

राष्ट्रीय अध्यक्ष

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ

अध्यक्षता

प्रोफेसर (डॉ.) अनिल कुमार राय

माननीय कुलपति, पंडित दीनदयाल उपाध्याय

शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर (राजस्थान)

दिवसः मार्गशीर्ष, शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी, विक्रम संवत्-2081 तद्नुसार शनिवार, 14 दिसम्बर, 2024 अपराह्न 02:30 बजे

स्थानः विश्वविद्यालय प्रांगण, पण्डित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर

अनुरोधः आमंत्रित अतिथियों से निवेदन है कि कार्यक्रम के निर्धारित समय से 30 मिनट पूर्व अपना स्थान ग्रहण कर लें।